ध्यो ज्वलमानाश्च खोतयित स्म तहनम् MBB. 13,6853. med.: दिशो खोत-यमानाभिर्दिव्यनारोभि: BBATT. 8,46. खोतित erleuchtet. leuchtend, glänzend: खद्गस्य विम्बतार्कस्य भाभिर्खातितकुएउल: Riáa-Tab. 5,343. ता-भि: प्रविष्टमात्राभिर्खातित: स मकार्णव: Habiv. 8345. R. 2,82,2. Vid. 9. तपसा खोतिता MBB. 3,8582. R. 1,31,2. तपसा खोतितप्रभा 49,15. — 2) vor Augen bringen, hervortreten lassen, hervorheben, zu verstehen geben: तस्पाश्चलार्युत्तमार्धे उत्तराणि खोतपति SBADV. BB. 2, 1. Lip. 7,12,6. 10. समीपाञ्चारितन परेन क्रियाफलस्य कर्तृगामिले खोतिते P. 1,3,77, Sch. Çabik. zu BBB. ÀB. UP. p. 64,1. शीग्नं प्रच्क्वकामुकस्वया प्रेष्यतामिति स-खों प्रति कपाचिद्योत्यते Såb. D. 20,2. 21,7.

- desid. दिखुतिषते und दिखीतिषते P. 1, 2, 26, Sch. 7, 4, 67, Sch. Vop. 19, 1.
- intens. दैविख्तति 3. pl.; दैविखोत्: partic. दैविख्तत् (P. 7, 4, 65); देखुत्यते P. 7, 4, 67, Sch. blinken, blitzen: (प्राप्ताः) विखुन देविखोतस्विभिः प्रुप्ताः RV. 6, 3, 8. 10, 95, 10. द्विख्तत्पृष्ट्यः 8, 20, 11. घृतनार्क्वता तर्ते द्विख्तत्प् 10, 69. 1. 43, 4. द्विख्तत्पा कृषा 9, 64, 28. VS. 15, 51.
- म्रिभि sein Licht, seinen Glanz auf Imd richten: म्रिभि (mit भवत-म् zu verbinden) खोतिष्यते रामो भवतमचिरादिक् Вилт. 8,89. — caus. beleuchten, erleuchten, in Glanz versetzen: म्रिभिखात्तपति (क्वि:) ТВа. 2, 1,2,3. मिखोतित RAGE. 6,36.
- म्रव caus. vor Augen bringen, erinnern: क्शिब्ट्न प्रसिद्धं कृतुमव-चातपति ÇAñk. zu Bas. Âs. Up. p. 42. 172. — Vgl. म्रवचीतिन्
  - म्रा s. म्राग्वातः
- उद् aufteuchten, erglünzen: उर्ड छुत: मुमिधी युद्धा श्रीकीन् स् V.3,5,9. उद्मोतमानम् नारायपाष्ट्यममृतम् अवारः १४७०१. पद्धाः उद्मोत्तानम् तारायपाष्ट्यममृतम् अवारः १४७०१. पद्धाः उद्मोत्ता caus. aufteuchten . erglünzen machen: उद्मोत्तपत्ती दिशः Paab. 86, 11. कु- एउलाद्मोतितानन MBu. 1,2427. तहचार्न्य कुलम् । अलमुद्द्मोत्तयामासुर्दे- वार्षियमिव र्तवः Ragu. 10,81. intens. stark aufteuchten: उर्द्मो भारत ख्मर्बिक्षण दिविद्युत्तत् । शोचा वि भोक्षाहरः १४. 6,16,43.
  - ममुद्र ausleuchten: शातं ज्योतिः ममुद्रीतते PRAB. 115, 2.
- नित् caus. klar machen: रायंतरमेव तद्र्यं निर्धातपति Pankav. Bs. 11, 2. 7. 12, 2.
- प्र zu leuchten, zu glänzen beginnen: व्हृद्यस्पायं प्रघोतिते ÇAT. Ba. 14,7,2,3. partic. प्रख्यतित und प्रचोतित P.1,2,21, Sch.— caus. erleuchten, in hellen Glanz versetzen: तिडिदिव प्रचीतपत्ती दिश: Paab. 116,1. प्रचीतित Baig. P.3,8,6. Vgl. प्रचीत, प्रचीतन, प्रचीतिन.
- वि 1) blitzen, blinken, glünzen: घुनप्रतीक उर्विया व्यख्यात् स्र. 3, 1, 18. 8. 6,51,1. 10,45,8. भानुः पुक्रेणी शाचिषा व्यख्यात् 9,88,12. 1,113,14. गर्भे मातुः पितृष्पिता विद्युतानां मृत्तरे 6,16,35. व्यङ्गेभिर्दिख्नुतानः 3,7,4. म स्तेनयित् म वि खीतते स उ म्र्ंभानमस्यति Av. 13,4,41. 9,6,47. विखीतते प्रवर्षात तत्र प्रावृषि रूपमयः MBH. 3,180. तपामि चैव त्रेलाक्यं विखाताम्यक्नम्य च 12,8129. विख्ता व्यख्तत् सार्काणः 29. व्यख्यातत्त सम् विख्तः BHAG. P. 9,14,31. वृत्तं प्रति विख्तत्ते विख्तुत् Sch. zu P. 1,4,90 und 2,3,10. वृत्तम् विखातते विख्तुत् ÇAME. zu BRR. ÀR. UP. p. 24. विखातते es blitzt ÇAT. BR. 10,6,4,1. KHAND. UP. 2,3,1. 7,11,1. म्राशामाशां विखातते es blitzt ÇAT. BR. 10,6,4,1. KHAND. UP. 2,3,1. 7,11,1. म्राशामाशां विखातताम् Av. 4,15,8. विखातमाने wenn es blitzt ÇAT. BR. 11,8,6,9. SHADY. BR. 2,4. GOBH. 3,2,13. विखुद्धे विखुत्य वृष्टिमनुप्रविशत्ति AIT. BR. 8,28. BHAG. P. 2,9,12. ÇIG. 1,20. स वैड्डयताकृत्यान्यां विद्युत् Rióa-

Tar. 6,290. व्याखोतिष्ट र्गो शस्त्रै: Buarr. 13,10. 9,36. स्रा रामद्र्शनात्पाप विद्यातस्य स्त्रियः प्रति 8,88. — 2) weyblitzen so v. a. blitzend weyschleudern: स्र्मानं चिट्ह्वंसा द्रिख्ता वि R.V. 5,30,4. — 3) erleuchten: स स्म विद्यातते दिशः MBB. 12,8063. — caus. erleuchten, in Glanz versetzen: स्र्यं चीतपद्ख्ता व्याप्तून् R.V. 6,39,3. सर्वा विद्यातपद्शः MBB. 1,1240. 3,1671. स्वराचिषा तत्सलिलं विशालं विद्यातपद्गकं इव BBAG. P. 3,8,14. तार्म्प्रूपं च पश्यामि विद्यातपति मे गृहम् MBB. 3,2581. ह्षंविद्यातितानना R. 2,28,40. तत्प्राद्वभीवसंयोगविद्यातितमनस् BBAG. P. 4,1,23. — intens. blitzen, blinken: स्वीरे स्त्रीता विद्यात्त्र R.V. 10,98,3. — Vgl. विद्युत् विद्यात, विद्यातन.

- म्राभिवि bestrahlen(?): म्र्यो वि हो म्राभि यात् R.V. 4,4,6.
- सम् zugleich mit, in die Wette mit Jmd blinken: सं सूर्येण दिख्त-द्वद्धिनिधि: VS. 38, 22. सं ह्रोता श्रेषीडुषेती विरोके ११ V. 3, 8, 2.
- 2. खुत् (= 1. खुत्) (. das Blinken, Glanz (Lichtstrahl H. 100)): स क् खुता विख्ता विति साम १.V. 10,99,2. सूरो न कि खुता वं कृपा पीवक रेचिसे 6.2,6. मस्य प्रलामनु खुतं भुकं ईडक्रे म्रक्रेयः 9,54,1. धृष्टवाट-तिधृष्ठुवाद्युमाद्युतसंभवाद्यि (so ist zu lesen) MBn. 1,6406. — Vgl. म्र॰, सु॰.
- 3. खुत् brechen, zerbrechen (intraus.)ः पत्ते रिष्टं यत्ते खुत्तमस्ति पष्ट्रं न म्रात्मिति । धाता तद्भद्रया युनः सं देधत्पर्त्तपा यर्तः AV. 4,12,2. यखेद्युतं लिखितमर्पणिन 12,3,22. — caus. erbrechen: येन ऋषेया वलमधीतयन्युजा AV. 4,23,5.
- म्रा anbrüchig werden: पन्में मृह्योर्।दि्खात् पाहर्याः प्रपेदाम् यत्। म्रापस्तत्मर्ज निष्कारन् AV. 6,24,2.
- 4. रहित् (von 1. रहे) adj. am Ende eines comp. losgehend auf, angreifend: निग े Buart. 5, 47, v. l.

युत n. in der Astrol. N. des 7ten Hanses Varan. Laguug. 1,17. जुन ÇKDR.; vgl. यून.

खुतामन् (युत्तः, partic. praes. von 1. खुत्, + यामन्) adj. dessen Bahn blinkt. — glänzt: Ushas RV. 5,80,1. Våju 6,49,4. — 10,93,12. खुत्त हैं (2. खुन्ति) m. Himmelsbaum Buág. P. 3,3,5. — Vgl. देवत हे. खुताने (partic. von 1. खुत्) m. 1) für den N. eines Rshi (mit dem patron. माह्ति oder माहिति) genommen nach dem Spruch VS. 5,27. Liedverfasser von RV. 8,85. Ind. St. 3, 220. Кати. 15,7 ebend. Рамкаv. Вв. 6,4. 17,1. Lат. 1.7,3. खुतानस्य माहितस्य सामसाम Ind. St. 3,220. — 2) Bez. der ihm zugeschriebenen Litanei Çайки. Çв. 13,12,5.

खुति (von 1. खुत्) 1) f. Glanz (eig. und übertr.; nach den Lexicogrr. auch Lichtstrahl); Würde AK. 1,1,2,19. 35. H. 100. an. 2,472. Med. t. 25. इन्ड॰ Внактя. 1,66. 79. तुषार्कलुपखुती रिविश्वाङ्का Varah. Ван. S. 21,20. 24,5. 14. 68,7. 69,16. मुवापिट्क॰ Ragh. 3,64. मार्कती Ниг Рг. 41. रष्ट्रिव तं परं द्वपं खुतिं च पर्मामिक् N. 12,52. Внас. Р. 8,5,42. मैन्यासिन्मयाप्यापता खुति: San. D, 52,7. मैंकी Нит. I, 167. ब्राह्मी Varah. Ван. S. 80 (79), 3. खुतिनिधिधनमागिन् Ван. 17,12. मका॰ adj. von Göttern und Menschen M. 1,87. N. 12, 10. Hip. 2,19. R. 1,65,15. 3,15, 9. der Glanz als Göttin personif. Hariv. 14035. — 2) m. N. pr. eines der Saptarshi unter der Regierung des Manu Merusavarna IV Hariv. 481. eines Sohnes des Manu Tamasa 428.

युतिकार (खु° + 1. कार) 1) adj. Glanz bewirkend. — 2) m. Bein. Dhruva's, der Polarstern Вийния. im ÇKDa.